आउवा → पाली → मारवाड़ का प्रमुख केन्द्र
↳ ठाकुर → कुशाल सिंह चम्पावत
→ कुशाल सिंह चम्पावत 1857 के क्रान्तिकारियों की कुल देवी
↳ सुगाली माता → 10 सिर 54 हाथों वाली देवी
1857 की क्रान्ति में अंग्रेजों का साथ देने वाला मारवाड़ का शासक → तख्त सिंह

बिथौड़ा का युद्ध → 8 सितम्बर 1857 :-

most

मारवाड़ शासक + मारवाड़ का P.A

मारवाड़ शासक → तख्त सिंह → ओनाड़ सिंह

मारवाड़ का P.A → मैक मौसन → हीथ कोट

✓ कुशाल सिंह चम्पावत के साथ → (जीत)

चेलावास का युद्ध :- 18 sep 1857 : कुशाल सिंह चम्पावत की सेना ने मारवाड़ के P. A. मैक मॉसन का सिर काटकर आऊवा के दरवाजे पर लटका दिया

↳ गोरा | काला का युद्ध

→ आउवा का युद्ध → 20 जनवरी 1858 → अंग्रेज अधिकारी कर्नल हॉम्स ने आउवा को लूटा और सुगाली माता की प्रतिमा अपने साथ अजमेर ले गया

नोट → कुशाल सिंह चम्पावत को कोठारिया के जोधसिंह ने शरण दी

→ कुशाल सिंह चम्पावत के लिए → "टैलर आर्थोग" बनाया

→ चम्पावत की मृत्यु → 1865 में उदयपुर में

→ चम्पावत आउवा का भार पृथ्वी सिंह लाम्बिया को सौंपा

↳ चम्पावत के सहयोगी → गुलर का बिशन सिंह
आसोपा का शिवनाथ

→ कोटा मे जन विद्रोह :- 15 अक्टुबर 1857

↳ नेतृत्व → लाला जयदयाल | मेहराब खाँ

:- नारायनी पलटन और भवानी पलटन ने मेजर बर्टन के पुत्र फ्रेंकर | आर्थर तथा डॉ सैडलर | कॉटम की हत्या कर दी और मेजर बर्टन के शीश को काटकर भाले पर रखकर कोटा शहर मे घुमाया

→ कोटा के शासक महाराव राम सिंह को कोटा दुर्ग मे नजर बन्द किया

→ कोटा में "रार्बट आयोग" का गठन हुआ

→ कोटा में मेजर राबर्ट का सहयोग करने के लिए करौली का राजा मदनपाल आया

अन्य क्रान्तिकारी → रत्न लाल, सिया लाल

टोंक → अंग्रेजों का साथ देने वाला शासक → नवाब वजीरूद्दौला

→ क्रान्तिकारियों का साथ → नासिर मोहम्मद

→ यहां महिलाओं ने भी क्रान्तिकारियों का साथ दिया

तात्या टोपे → रामतनु पाण्डुरंग :

↳ राजस्थान में प्रवेश → कुआड़ा माण्डलगढ भीलवाड़ा

कुआड़ा का युद्ध → 9 अगस्त 1857 → मेजर राबर्ट ने टोपे को हराया

→ दूसरी बार प्रवेश → बांसवाड़ा

→ झालावाड़ के शासक पृथ्वी सिंह ने 5 लाख रुपये दिये।

→ तात्या टोपे एकमात्र रियासत जैसलमेर में नही गये

→ विश्वासघात → टोपे के साथ मान सिंह नरूका ने किया

→ टोपे को फांसी → 18 अप्रैल 1859

सावर्ल :- " इतिहास में तात्या टोपे को फाँसी देना ब्रिटिश सरकार का अपराध माना जायेगा आने वाली पीढी पुछेगी किसने सहमती दी और किसने पुष्ठी की "

जयपुर :- राजस्थान में एक मात्र रियासत जहां पर राजा के साथ जनता ने भी अंग्रेजो का साथ दिया।

जयपुर शासक राम सिह ने मेजर ईडन के कहने पर अब्दुला खा और विलायत खाँ को नजरबन्द किया।

अंग्रेजों ने राम सिह II को "सितार-ए-हिन्द" उपाधि से सम्मानित किया।

1857 की क्रान्ति मे अंग्रेजों का साथ देने वाले शासक

रियासत	शासक
मारवाड़	→ तख्त सिंह
मेवाड़	→ महाराणा स्वरूपसिंह
बीकानेर	→ महाराजा सरदार सिंह
धौलपुर	→ भगवन्त सिंह
भरतपुर	→ जसवन्त सिंह
झालावाड़	→ पृथ्वी सिंह
जैसलमेर	→ रणजीत सिंह
टोंक	→ नवाब वजिरूद्दौला
बांसवाडा	→ लक्ष्मण सिंह
डुंगरपुर	→ उदय सिंह
जयपुर	→ राम सिंह II
कोटा / बुन्दी	→ महाराव राम सिंह
प्रतापगढ	→ दलपत सिंह
अलवर	→ विजय सिंह

वीरों का स्मारक स्तंभ → मचुंडला प्रतापगढ़

"मुल्क रा मीठा ठग" → शंकर सिंह सामौर

आयो राज अंग्रेजां रो मुल्क रै उपर → बांकीदास

भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम → V. D. सावरकर

→ भारत मुस्लिम षडयंत्र → जेम्स आउट्रम, W टेलर

→ राष्ट्रीय विप्लव → डॉ. ताराचन्द

→ काली जाति श्वेत जाति का विद्रोह → के

→ अंग्रेज मेमने के रूप में भेड़ीये की भूमिका निभा रहे हैं → मालेसन
→ अंग्रेजों को बाहर निकालने का सामुहिक प्रयास → मालेसन
→ ना राष्ट्रीय विद्रोह, ना स्वतन्त्रता संग्राम यह एक सैनिक विद्रोह है → R.C. मजूमदार
→ राष्ट्रीय विद्रोह → बैंजामीन डिजरायली

ताराचन्द → निम्बाहेड़ा चित्तौड़गढ़ तोप से उड़ा दिया
सफदर चाउथा : दिल्ली मे सुली पर लटका दिया गया